त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

संस्थान डी ओ टी (020)
622271,625030,627545,627817,626436
रेलवे 210
छात्रावास - डी ओ टी (020)
630579, 626816
रेलवे 432, 424

फैक्स : 020-628677
ई-मेल : iricen@vsnl.com
टेलिग्राम : रेलपथ
इंटरनेट : http://www.iricen.com

वर्ष - तृतीय | अंक - तृतीय | जुलाई-सितंबर 1999

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) भा.रे.इं.से. के प्रशिक्षु अधिकारियों की तैनाती
2) मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजीनियरों का सेमिनार
3) इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के अंतर्गत गतिविधियां
4) प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक
5) स्वतंत्रता दिवस समारोह
6) सदस्य-इंजीनियरी का दौरा
7) रेल पथ नियमावली का वितरण
8) राजभाषा सप्ताह का आयोजन
9) भा.रे.इं.से. के प्रशिक्षु अधिकारियों के नए बैच का आगमन
10) अधिष्ठापन (Induction) कार्यशाला
11) फील्ड कार्यक्रम
12) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
13) बाहरी निकायों के लिए कार्यक्रम
14) "प्रशिक्षण में प्रतिमान युक्ति (Paradigm shift) तथा संवाद निपुणता" पर कार्यशाला
15) भारतीय रेल की प्रथम महिला IRSE(P)
16) विदाई 17) स्वागत 18) आपके पत्र

1 भा.रे.इं.से.के प्रशिक्षु अधिकारियों की तैनाती

1996 परीक्षा बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए दि. 19 से 23 जुलाई तक तैनाती परीक्षा आयोजित की गई, जिसके बाद 39 प्रशिक्षु अधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रीय रेलों पर तैनाती हेतु भेजा गया।

2 मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजीनियरों का सेमिनार

संस्थान में दि. 12 से 13 जुलाई तक मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ, जिसमें वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के 8 अधिकारियों ने भाग लिया।

3 इंस्टिट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) के अंतर्गत गतिविधियां

आई.पी. डब्ल्यु.ई.(आई.) पुणे चैप्टर की व्याख्यान मालाओं के क्रम में जुलाई माह के दौरान श्री सुभाषचंद गुप्ता, प्राध्यापक पुल 1 ने "सिविल इंजीनियरी के लिए आंकड़ा प्रबंधन" विषय पर तथा सितम्बर माह के दौरान श्री अनिल कुमार, प्राध्यापक-रेल पथ 2 ने "बांदरा सीवेज आउट फॉल परियोजना-टी वी एम का उपयोग" विषय पर तकनीकी पेपर्स प्रस्तुत किए।

संपादकीय

तृतीय वर्ष का तृतीय अंक आपके हाथों में है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है, ज्ञान एवं जिज्ञासाओं के नए वातायन खुल रहे हैं। प्रगति की इस दौड़ में एक बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है और वह यह है कि सूचना प्रौद्योगिकी का लाभ आम आदमी को भी मिलें। इसलिए आम आदमी की भाषा - हिंदी-में सूचनाओं की उपलब्धि हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए हमने राजभाषा की स्वर्ण जयंती के इस वर्ष में 'हिंदी दिवस' से हमारी वेब साइट हिंदी में भी प्रारंभ कर दी है।

उच्च तकनीकी कार्यों में हिंदी का प्रयोग कठिन अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। इसका प्रमाण यह है कि संस्थान में अब प्रशिक्षु अधिकारी अपनी परियोजना रिपोर्टें तथा प्रस्तुतिकरण हिंदी में देने लगे हैं। हाल ही में हमने द्विभाषी पुल नियमावली की 10,000 प्रतियों के मुद्रण का कार्य पूरा किया है। हमें विश्वास है कि तकनीकी कार्यों में हिंदी के प्रयोग से देश की प्रगति निर्विवाद रूप से होगी।

नियमित रूप से प्राप्त हो रहे आपके पत्र हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, अत: इस अंक पर आपके सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
विनोद कुमार	सुभाषचंद गुप्ता	विपिन पवार	एन. एल. नाड़गौड़ा
निदेशक	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी	राजभाषा सहायक	सह प्राध्यापक
इरिसेन, पुणे	एवं प्राध्यापक-कंप्यूटर्स	ग्रेड I	एम. बाबू मुख्य तक. सहा.

4 प्रशिक्षण प्रबंधकों की बैठक

दि. 12 अगस्त को सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रशिक्षण प्रबंधकों (मुख्य सामान्य इंजीनियरों) की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में सभी स्तरों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने, प्रशिक्षण संस्थानों की प्रशिक्षण क्षमता का उपयोग करने तथा प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा पाठ्यक्रम कैलेन्डर की योजना बनाने के विविध पहलूओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

5 स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में दि. 15 अगस्त को 'स्वतंत्रता दिवस' मनाया गया। प्रात: निदेशक श्री विनोद कुमार ने ध्वजारोहण कर उपस्थित संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को संबोधित करते हुए अपने प्रेरक भाषण में बताया कि राष्ट्रध्वज हमारी आजादी और हमारे आत्मसम्मान का प्रतीक है। देश की प्रगति में रेलवे के योगदान की चर्चा करते हुए आपने तेजी से काम करने के वातावरण की सृष्टि करने की अपील की।

इस कार्यक्रम के तुरंत बाद संस्थान के प्रशिक्षु अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों द्वारा भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विपिन पवार ने किया।

6 सदस्य-इंजीनियरी का दौरा

सदस्य-इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड श्री वी.के. अग्निहोत्री दि. 29 अगस्त को संस्थान में पधारे। इस अवसर पर दि. 29 अगस्त की शाम को संस्थान के छात्रावास में प्रशिक्षु अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों द्वारा एक रोचक, मनोरंजक एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका संचालन श्री विपिन पवार ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंत में सदस्य-इंजीनियरी ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया।

(चित्र में बाएं से श्री ए.के. मेहरोत्रा, मुख्य इंजीनियर, मध्य रेल, श्री वी.के. अग्निहोत्री, सदस्य-इंजीनियरी तथा श्री विनोद कुमार, निदेशक)

दि. 30 और 31 अगस्त को मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार सम्पन्न हुआ। सेमिनार का उद्घाटन दि. 30 अगस्त को सदस्य-इंजीनियरी द्वारा किया गया। सेमिनार में कार्यसूची की मदों पर विस्तृत विचार-विमर्श के साथ ही सामयिक रुचि के विविध विषयों पर उपयोगी एवं अध्ययनपरक पेपर्स प्रस्तुत किए गए।

7 रेल पथ नियमावली का वितरण

संस्थान द्वारा भारतीय रेल रेल पथ नियमावली-1986 का पुनर्मुद्रण कराया गया है, जिसमें क्र. 1 से 27 शुद्धिपत्र भी जोड़े गए हैं। प्रतियों के प्रेषण व वितरण का कार्य जारी है।

8 राजभाषा सप्ताह का आयोजन

(चित्र में बाएं से श्री सुभाषचंद गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी, श्री चंद्र-प्रकाश तायल, संकाय अध्यक्ष तथा संबोधित करते हुए श्री विनोद कुमार, निदेशक)

संस्थान में दि. 14 से 21 सितंबर तक 'राजभाषा सप्ताह' उत्साहपूर्वक मनाया गया। सप्ताह का शुभारंभ दि. 14 सितंबर को ''हिंदी दिवस'' के आयोजन से हुआ, इसी के साथ राजभाषा स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह का प्रारंभ हो गया। प्रारंभ में संस्थान के निदेशक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह में संस्थान की हिंदी में तैयार की गई वेबसाइट का निदेशक के करकमलों द्वारा उद्घाटन सम्पन्न हुआ, अभी तक संस्थान की वेबसाइट केवल अंग्रेजी में थी। हिंदी में तैयार की गई इस वेब साइट के माध्यम से अब सम्पूर्ण विश्व में संस्थान के इतिहास, गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में हिंदी में भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह सूचना पत्र भी वेब साइट पर उपलब्ध है। इससे सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी के प्रयोग के क्षेत्र में संस्थान द्वारा की जा रही प्रगति का एक और स्वप्न पूरा हुआ है। वेब साइट का पता है - http://www.iricen.com

हिंदी सप्ताह के दौरान कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध, वाक्, टिप्पण एवं आलेखन तथा शुद्धलेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिनमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राजभाषा सप्ताह का समापन समारोह दि. 21 सितंबर को सम्पन्न हुआ। प्रारंभ में केन्द्रीय गृहमंत्री के संदेश का वाचन किया गया।

राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित समस्त कार्यक्रमों का संचालन राजभाषा विभाग प्रभारी श्री विपिन पवार ने किया।

9 भा.रे.इं.से. के प्रशिक्षु अधिकारियों के नए बैच का आगमन

संयुक्त इंजीनियरी सेवा परीक्षा - 1998 के आधार पर नियुक्त भा.रे.इं.से. के 56 प्रशिक्षु अधिकारी दि. 20 सितंबर को संस्थान में उपस्थित हुए। अल्प सूचना के बावजूद भी, वर्ष 1999 के

पाठ्यक्रम कैलेन्डर में समायोजन करते हुए, सारी औपचारिकताएं तत्परतापूर्वक पूरी की गई।

10 अधिष्ठापन (Induction) कार्यशाला

युवा प्रशिक्षु अधिकारियों में सही प्रवृत्ति का विकास करने के लिए मानव संसाधन विकास फेसिलीटेटर श्री डी.एम सिलवेरा द्वारा अधिष्ठापन कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला से युवा प्रशिक्षु अधिकारियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में बहुत सहायता मिली है।

11 फील्ड पाठ्यक्रम

विभिन्न रेलों की तत्काल मांग पर, अल्प सूचना के बाद भी, दक्षिण रेल के लिए चैन्नई में दि. 1-10-99 को 'भवन अनुरक्षण' पर सत्र क्र. 9964 तथा दि. 29-9-99 को 'संविदा प्रबंधन' पर सत्र क्र. 9963 एवं पश्चिम मध्य रेल के लिए जबलपुर में दि. 29-9-99 को 'कंक्रीट प्रौद्योगिकी' पर सत्र क्र. 9962 आयोजित किया गया।

12 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सत्र क्र.	दिनांक से	दिनांक तक	विषय	अधिकारियों की कोटि
9966	06.12.99	07.01.2000	भा.रे.इं.से.परीवीक्षार्थियों (98 परीक्षा) चरण 1 समूह 1 का प्रशिक्षण	भा.रे.इं.से. (परी.)
9943	29.11.99	03.12.99	भा.रे.यां.इं.से. के परीवीक्षार्थियों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	भा.रे.यां.इं.से. (परी.)
9946	13.12.99	17.12.99	शब्द संसाधन तथा स्प्रेड शीट पर कंप्यूटर पाठ्यक्रम	अ.वे.मा./ प्र वे.मा./ अ.प्र.श्रे.
9951	20.12.99	24.12.99	रेल पथ प्रबोधन पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.वे.मा./ प्र वे.मा./ अ.प्र.श्रे.
9960	20.12.99	24.12.99	भा.रे.भं.से. के परीवीक्षार्थियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	भा.रे.भं.से. (परी.)97 परीक्षा
9949	27.12.99	31.12.99	कंक्रीट प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम	अ.वे.मा./ प्र.वे.मा.
9967	27.12.99	18.02.2000	भा.रे.इं.से. परीवीक्षार्थियों (98 परीक्षा) चरण 1 समूह 2 का प्रशिक्षण	भा.रे.इं.से. (परी.)

13 बाहरी निकायों के लिए कार्यक्रम

गरवारे कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पुणे के अनुरोध पर दिनांक 27 सितंबर को उनके वाणिज्य प्राध्यापकों के लिए एक अर्धदिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य प्राध्यापकों को संस्थान एवं उसकी विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। भ्रमणकारी प्राध्यापकों ने इस कार्यक्रम की भरपूर सराहना की।

14 ''प्रशिक्षण में प्रतिमान युक्ति (Paradigm shift) तथा संवाद निपुणता'' पर कार्यशाला

''प्रशिक्षण में प्रतिमान युक्तियों तथा संवाद निपुणता'' पर संस्थान में एक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

अतिथि व्याख्याता (एच.आर.डी. फेसिलीटेटर) की सहायता से प्रारंभ किए गए इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों के साथ समय-समय पर विचार-विमर्श होता है, जिससे वे प्रशिक्षण देने की अपनी निपुणता में और उन्नति कर सकें। इससे आत्मविकास तथा आत्मनिरीक्षण के अनेक अवसर प्राप्त हुए हैं तथा प्रशिक्षण देने की नवीन पद्धतियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। संस्थान के कर्मचारियों के लिए भी यह कार्यक्रम पर्याप्त उपयोगी तथा मार्गदर्शक सिद्ध हुआ है।

15 भारतीय रेल की प्रथम महिला IRSE (P)

(कु. मोना श्रीवास्तव)

भारतीय रेल पर अभी तक पुरुषों के एकाधिकार एवं आधिपत्य वाली भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा में कु. मोना श्रीवास्तव का प्रवेश एक नए युग का सूत्रपात है। सिंधिया बोर्डिंग स्कूल, ग्वालियर की उपज कु. मोना ने एम.आई.टी. मुजफ्फरपुर से बी.ई. (सिविल) तथा आई.आई.टी., दिल्ली से जल संसाधन अभियांत्रिकी में एम. टेक. की उपाधि प्राप्त की है। भारत वैगन इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड (एल.पी.जी), मुजफ्फरपुर से मुख्य परियोजना प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त श्री अमरकांत प्रसाद श्रीवास्तव की पुत्री कु. मोना का प्रारंभ से ही रेल सेवा का लक्ष्य होने के कारण अनेक सेवाओं में चयन के बाद भी आपने रेल सेवा को ही पसंद किया। समय प्रबंधन में माहिर कु. मोना भविष्य में व्यावसायिक तथा व्यक्तिगत जिम्मेदारियों में बेहतर समन्वय के प्रति बेहद आश्वस्त है।

इरिसेन परिवार की ओर से आपको बधाई तथा उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं।

16 विदाई

(श्री बृजेश कुमार)

भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1986 परीक्षा बैच के अधिकारी श्री बृजेश कुमार रुड़की विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरी के स्नातक है। दक्षिण रेल पर सहायक इंजीनियर, सेलम, पोदानूर, कार्यकारी इंजीनियर, मैंगलोर, मंडल इंजीनियर, पालघाट, चैन्नई, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, चैन्नई जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरांत आपने जून-1996 में संस्थान में प्राध्यापक-रेल पथ 1 का कार्यभार ग्रहण किया तथा बाद में प्राध्यापक - प्रशिक्षण के रूप में कार्य किया। आप इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सदस्य है तथा आपने इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के ''अभियांत्रिकी तकनीकी विकास प्रभाग'' में डेढ़ वर्ष तक अभिकल्प अभियंता के रूप में भी काम किया है, साथ ही आपको रेल पथ, पुलों तथा भवनों के अनुरक्षण का तीन वर्ष का अनुभव भी प्राप्त है। आपने मंगलौर से पेराम्बूर तक लंबी

मिश्र आमान साइडिंग की क्षमता बढ़ाने का कार्य किया, जिससे इसकी गति 15 से 80 कि.मी.प्र.घं. तक बढ़ गई। आप दि. 30 अगस्त को संस्थान से भारमुक्त हुए। वर्तमान में आप उप मुख्य इंजीनियर, दिल्ली महानगर रेल निगम (डी.एम.आर.सी) के रूप में कार्यरत है। संस्थान आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है।

17 स्वागत

(श्री आर.के. वर्मा)

❑ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से सिविल इंजीनियरी में बी.टेक.तथा आई.आई.टी., दिल्ली से संरचनागत इंजीनियरी में एम. टेक की उपाधि प्राप्त, भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1980 परीक्षा बैच के अधिकारी श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा ने सहायक इंजीनियर, दक्षिण रेल, विल्लुपुरम, सहायक इंजीनियर (निर्माण) पूर्वोत्तर सीमांत रेल, सिलचर, पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर कार्यकारी इंजीनियर (सर्वेक्षण) सिलचर, कार्यकारी इंजीनियर (निर्माण) बारसोई, उपमुख्य इंजीनियर (निर्माण) योजना एवं अभिकल्प, मालीगांव तथा पूर्व रेल पर उपमुख्य इंजीनियर (विशेष) आसनसोल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (2) हावड़ा, उपमुख्य इंजीनियर (पुल) मुख्यालय, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय), सियालदह, उप मुख्य इंजीनियर (रेल पथ मशीन) मुख्यालय तथा उप मुख्य इंजीनियर (पुल) मुख्यालय जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। अगस्त -99 में आपने संस्थान में प्राध्यापक-पुल 1 का कार्यभार ग्रहण किया। अनेक महत्वपूर्ण तथा दुष्कर कार्यों के साथ ही श्री वर्मा के खाते में जोगीघोपा में ब्रह्मपुत्र नदी पर प्रतिष्ठित रेल-सह-सडक पुल के अभिकल्प निर्माण का कार्य भी दर्ज है। आप पूर्व रेल मुख्यालय तथा पूर्व रेल के सियालदह मंडल पर उपमुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके है। वर्तमान में आप वरिष्ठ प्राध्यापक (कार्य) के रूप में कार्यरत है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

❑ जोधपुर विश्वविद्यालय, राजस्थान से बी.ई. (सिविल) की उपाधि प्राप्त श्री एन.सी. शारदा भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1981 परीक्षा बैच के अधिकारी है। पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर सहायक इंजीनियर, मंडल इंजीनियर तथा उप मुख्य इंजीनियर (मुख्यालय) के रूप में कार्य करने के पश्चात आपकी तैनाती कोंकण रेल पर हुई। बाद में आपने उत्तर रेल के बीकानेर मंडल पर मंडल अधीक्षण इंजीनियर का पदभार ग्रहण किया। 30 अगस्त को आपने संस्थान में प्राध्यापक-पुल-2 का पदभार ग्रहण किया है। इरिसेन परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

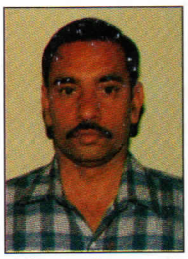
(श्री एन.सी. शारदा)

18 आपके पत्र

इरिसेन द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक सूचना पत्र समय-समय पर प्राप्त होते रहे हैं। पत्रिका की गुणवत्ता में लगातार वृद्धि सराहनीय है। उत्कृष्ट संपादन के लिए बधाई। आने वाले अंकों में ऐसी ही प्रगति बनी रहेगी, यह आशा है। अनेक शुभकामनाओं सहित।

- *एस.एम. वैद्य,* मुख्य अभियन्ता,
कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड, नवी मुंबई.

❑ आपके संस्थान द्वारा अप्रैल-जून-99 का त्रैमासिक सूचना पत्र प्राप्त हुआ। चार पृष्ठों के इस अंक में आपके संस्थान के उद्देश्य एवं गतिविधियों की उपयोगी जानकारी सरल एवं सुबोध हिंदी भाषा द्वारा दी गई है। आपके संस्थान द्वारा प्रकाशित यह सूचना पत्र निश्चय ही प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय प्रयास है, जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

- *के.के. शर्मा,*
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक,
उत्तर रेल, फिरोजपुर

❑ त्रैमासिक सूचना पत्र मिला। उत्कृष्ट साज-सज्जा तथा सूचना प्रस्तुतिकरण की शैली के लिए मेरी हार्दिक बधाई। कृपया इसे बनाए रखें। शुभकामनाओं सहित।

- *के. मधुसूदन,* प्राध्यापक, भारतीय रेल सिगनल
इंजीनियरी एवं दूरसंचार संस्थान, सिकंदराबाद

❑ इरिसेन के त्रैमासिक सूचना पत्र का जनवरी-मार्च, 1999 अंक प्राप्त हुआ। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि आप आगामी अंक से साहित्यिक खंड भी प्रारंभ कर रहे हैं। मेरा सुझाव है कि प्रत्येक पृष्ठ पर साहित्यकारों की महत्वपूर्ण सूक्तियां भी प्रकाशित की जाए। हिंदी संबंधी स्लोगन देने का भी प्रयास करें। आकर्षक मुद्रण के लिए बधाई।

- *के. पी. सत्यानंदन,* वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी - I,
मध्य रेल मुख्यालय, मुंबई

गृह पत्रिका त्रैमासिक सूचना पत्र का जनवरी-मार्च 1999 अंक प्राप्त हुआ, धन्यवाद। भविष्य में चलाए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की जानकारी से भरा यह अंक जिज्ञासुओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

अच्छा होता यदि पत्रिका में सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय भी दिए जाते।

पत्रिका के चुस्त सम्पादन के लिए संपादन मंडल के सभी सदस्य साधुवाद के पात्र है।

- *वीरेन्द्र सिंह,* राजभाषा अधिकारी (निर्माण),
मुख्य प्रशा. अधि. (निर्माण) कार्यालय, उत्तर रेलवे, दिल्ली

सुभाषचंद गुप्ता, उपमुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, कंप्यूटर्स, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु प्रकाशित एवं **मेसर्स एम.आर. एंड कंपनी,** सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4330449 व्दारा मुद्रित